हमें आप पर गर्व है

बेहद सरल स्वभाव के लिए जाने जाते हैं डीएसपी तेजराम पटेल

मजबूरों के लिए, एक आस हो तुम.. हर जरूरतमंद का, विश्वास हो तुम

आज हम आपका परिचय एक ऐसी सख्शियत से कराने जा रहे हैं जिसने मानवता की एक अनुठी मिसाल पेश की है, जिनके मन में जरूरतमंद एवं असहायों के प्रति संवेदनाएं कूट कूटकर भरी है, जिनका ओहदा प्रशासनिक स्तर पर तो ऊॅचा है ही साथ ही जिनके मन में अनाथों के प्रति अपनेपन का भाव समाहित है, लोगों के प्रति सहानुभूति रखना जिनकी विरासत है, वो कहते हैं न कि ईश्वर सबको, सब कुछ नही देता पर अपने अंश के रूप में जरूरतमंदों की मदद के लिए किसी न किसी को माध्यम जरूर बनाता है ऐसे ही कुशल व्यक्तित्व के धनी है मुंगेली के अनुविभागीय अधिकारी पुलिस तेजराम पटेल, आईये जानते हैं इनके व्यक्तित्व के बारे में...

19 जनवरी 1982 को रायगढ़ जिले के एक छोटे से गांव पंझर में तेजराम पटेल का जन्म हुआ। जब इनका जन्म हुआ तब किसी ने ये नही सोचा था कि इस अबोध बालक को ईश्वर ने विलक्षण प्रतिभा से नवाजा है। तेजराम पटेल शुरूवात से ही मेघावी छात्र रहे, इन्होने दो विषयों में स्नात्कोत्तर की उपाधि ली तथा दोनो विषयों में नेट की परीक्षा भी उत्तीर्ण की। भूगोल विषय मे सहायक प्राध्यापक के रूप में चयनित भी हुए इसके बाद लोक सेवा आयोग द्वारा 2011 में आयोजित परीक्षा में इनका चयन उप पुलिस अधीक्षक के रूप में हुआ। वर्तमान में वे मुंगेली में एसडीओपी के पद पर पदस्थ हैं। इनका व्यक्तित्व क्यों है इतना खास...आप भी जानिए।

तीन अनाथ बच्चों की ली जिम्मेदारी

मुंगेली के दशरंगपुर ग्राम में माहौल उस वक्त गमगीन हो गया जब खबर आई कि तीन बच्चों के पिता परलोक सिधार गए, उनके पिता की हत्या की गई थी और उसकी दोषी निकली उसकी मॉ, मॉ ने एक लड़के के साथ मिलकर अपने ही पति की हत्या कर दी और खुद सलाखों के पीछे पहुंच गयी, ये भी नही सोचा कि इन मासूमों का क्या होगा। ऐसे में तफ्तीश के लिए पहुंचे पुलिस अधिकारी तेजराम पटेल ने उन तीनों बच्चों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उनकी गिरवी रखी हुई जमीन को तो छुड़ाया ही साथ ही नगद के रूप में उन बच्चों के लिए आर्थिक मदद भी की। इसके बाद उनकी पढ़ाई लिखाई का जिम्मा भी ले लिया, इस बात के चर्चे भी चारो ओर खूब हुए। लोगों की माने तो पुलिस विभाग की ओर से किसी अधिकारी का ऐसा कदम वाकई सराहनीय है।

कोरोना काल में चालान काटने के बजाय, बांटे मास्क

एसडीओपी ने जब ऐसा किया तो शहर में यह कौतुहल का विषय बन गया। वजह ये कि उस समय जिला प्रशासन का यह स्पष्ट आदेश था कि बगैर मास्क के घुमने वाले लोगों का चालान काटा जाए, वहीं एसडीओपी ने बगैर मास्क वाले लोगों को मास्क बांटा साथ ही यह समझाईश दी कि अगली बार बगैर मास्क के सड़कों पर दिखे तो चालानी कार्यवाही की जाएगी। ऐसा करने की वजह जब एसडीओपी से पूछा गया तो उनका कहना था कि कोरोना के चलते सभी वर्ग परेशान हुए हैं ऐसे में लोगों पर चालानी कार्यवाही कहीं न कहीं आर्थिक रूप से मार के बराबर है।

जिला अस्पताल परिसर में लगाया वाटर कूलर

एसडीओपी तेजराम पटेल ने मुंगेली में रहते हुए ही जिला अस्पताल परिसर में प्यूरीफायर के साथ वाटर कूलर भी लगवाया। एसडीओपी ने बताया कि किसी केस के सिलसिले में उनका जिला अस्पताल जाना हुआ उन्होने देखा कि अस्पताल परिसर में स्वच्छ पेयजल की समस्या बनी हुई है, ऐसे में उन्होने अपने निजी खर्च पर तत्काल वाटर कूलर वहां लगवा दिया। जिसकी शुरूवात रिबन काटकर तत्कालीन पुलिस अधीक्षक मुंगेली पारूल माथुर ने की थी।

खेल एवं खिलाड़ी को प्रोत्साहन

मुंगेली शहर में संचालित सनराईस क्रिकेट सोसायटी के संचालक एवं युवा क्रिकेटर जलेश यादव की संस्था को आए दिन पटेल सर के द्वारा आर्थिक रूप से मदद की जाती है, जलेश यादव द्वारा जो प्रशिक्षण दिया जा रहा है उसमें गांव की गरीब बच्चियों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। जबकि एकेडमी के संचालक खुद चाय की दुकान चलाकर अपने निजी खर्च से प्रशिक्षण देने का काम कर रहे हैं। जलेश के इस साहसिक कदम पर एसडीओपी ने भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए समय समय पर संस्था को आर्थिक रूप से मदद करते हैं। वहीं जब संस्था में प्रशिक्षणरत बच्चियों का चयन नेशनल लेवल में हुआ तो चेन्नई आने-जाने का पूरा खर्चा भी इन्होने ही उठाया।

सामाजिक संस्था को कोरोनाकाल में मदद

कोरोना जैसी वैश्विक महामारी में पूरी पुलिस टीम ने कोरोना वॉरियर्स के रूप में कार्य किया है। वहीं मुंगेली की एक समाज सेवी संस्था प्रयास-अ स्माल स्टेप फाउण्डेशन को पटेल सर ने शुरूवात में ही 10 हजार रुपए की आर्थिक मदद के अलावा खाद्य सामाग्री भी उपलब्ध कराई थी। ये वही संस्था है जिसने लॉकडाउन के शुरूवाती दिनो से हर भूखे को भोजन उपलब्ध कराना अपनी जिम्मेदारी रमझ रखी थी। जब तक अधिकारिक रूप से लॉकडाउन खुल नही गया इन्होने भोजन सेवा बंद नहीं की थी।

इस कथन को चरितार्थ करता इनका व्यक्तित्वः-

बेशक मृत्यु के बाद व्यक्ति का अस्तित्व मिट सकता है।
लेकिन उसके व्यक्तित्व का अस्तित्व कभी नहीं मिटता।।